



गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरों को भांजी आरती सिंह ने बताया अफवाह

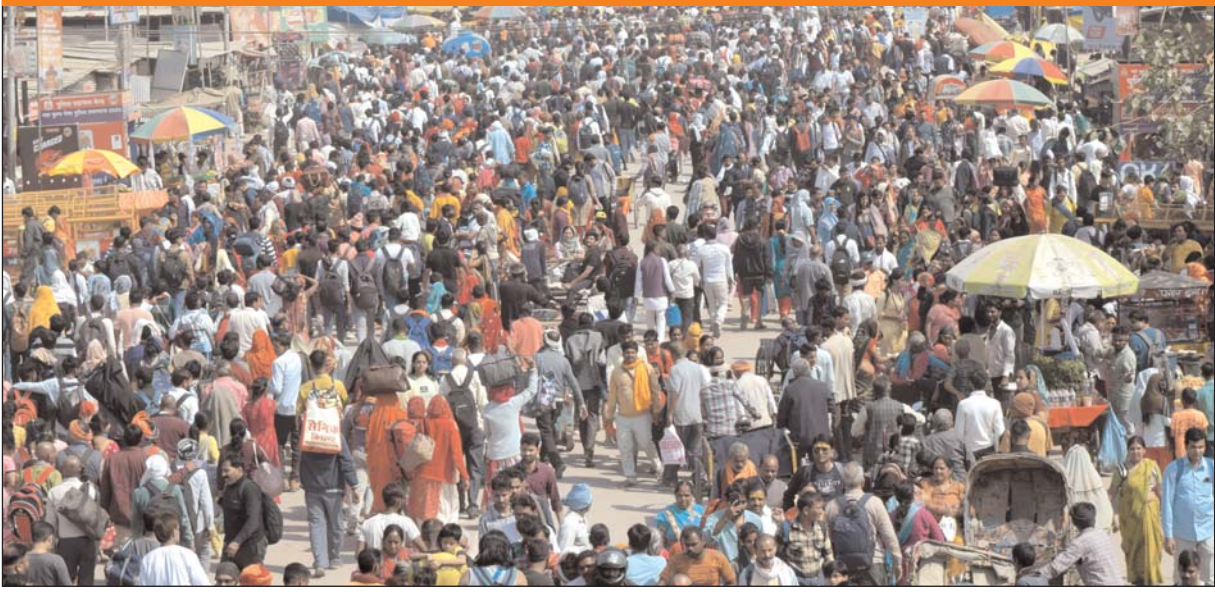
गोविंदा और सुनीता अहूजा की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक रही है, लेकिन हाल ही में सामने आई तलाक की खबरों ने उनके फैस को झटका दे दिया। कहा जा रहा है कि गोविंदा और सुनीता ने शादी के 38 साल बाद अलग होने का फैसला किया है। हालांकि, इस पर अब तक दोनों में से किसी ने आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अब इन अटकलों पर गोविंदा की भांजी और अभिनेत्री आरती सिंह ने चुप्पी तोड़ी है। तलाक की खबरों पर आरती ने कहा, सच कहूँ तो मैं अभी मुंबई में नहीं हूँ, इसलिए मैंने किसी से संपर्क नहीं किया है, लेकिन मैं आपको बता दूँ कि यह झूठी खबर है। ये सिर्फ अटकलें हैं क्योंकि उनका रिश्ता बहुत मजबूत है। उन्होंने इतने सालों में एक प्यार भरा रिश्ता बनाया है, तो वे तलाक कैसे ले सकते हैं? मुझे नहीं पता कि लोगों को ऐसी अफवाहें कहां से मिलती हैं। आरती सिंह ने लोगों से गलत खबरें न फैलाने की अपील की, उन्होंने कहा, र्लोगों को दूसरों के निजी जीवन में दखल देने से बचना चाहिए। यहां तक कि मेरे खुद के तलाक की खबर भी बिना किसी कारण के फैला दी गई। ऐसी अफवाहें सिर्फ बेवजह का तनाव पैदा करती हैं।

जॉन अब्राहम की फिल्म द डिप्लोमेट 14 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी



अभिनेता जॉन अब्राहम आखिरी बार फिल्म 'वेदा' में नजर आए थे। हालांकि, उनके अभिनय को काफी सराहा गया, लेकिन यह एक्शन से भरपूर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। इन दिनों जॉन अपनी आगामी फिल्म 'द डिप्लोमेट' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन शिवम नायर कर रहे हैं, जो इससे पहले 'नाम शबाना' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म 'द डिप्लोमेट' 7 मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। इसलिए दर्शकों को इस रोमांचक कहानी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। अब यह फिल्म 14 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वही टी-सीरीज ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इंतजार लंबा होता जा रहा है, लेकिन उसका प्रभाव और भी मजबूत होता जा रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने इसकी रिलीज को पोस्टपोन करने का कारण स्पष्ट नहीं किया है। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि लड़की को उसकी इच्छा के विरुद्ध पाकिस्तान ले जाकर शादी कर दी जाती है, जहां से निकलने के लिए वह हर्ससंभव प्रयास करती है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जो इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उनके अपोजिट सादिया खतीब लीड रोल में हैं।

महाकुम्भ में शिवरात्रि के स्नान को लेकर संगम क्षेत्र में आता श्रद्धालुओं का हजूम



पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से है एक : राष्ट्रपति

पटना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है। इस संस्थान का पुरातनता को संरक्षित करने और आधुनिकता की ओर निरंतर अग्रसर होने का गौरवशाली इतिहास रहा है। पटना मेडीकल कॉलेज एवं हास्पिटल (पीएमसीएच) एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक रहा है। इस संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपनी प्रतिभा, सेवा और समर्पण के बल पर देश-विदेश में अपना और पीएमसीएच का नाम रोशन किया है। वह मंगलवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि इलाज के लिए दूसरे शहर या राज्य में जाने से कई तरह से नुकसान होता है, जैसे इलाज में देरी, भोजन, आवास और रोजगार की समस्या। इससे बड़े शहरों के चिकित्सा संस्थानों पर भी बोझ पड़ता है। देश भर में अच्छे चिकित्सा संस्थानों का विकेंद्रीकरण इन सभी समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होगा। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और इंदौर जैसे शहर विशिष्ट उपचार के केंद्र के रूप में विकसित हुए हैं। बिहार को भी ऐसे कई केंद्र विकसित



इलाज को आते थे दूसरे राज्यों के भी लोग : नीतीश कुमार

पटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) का विशेष महत्व रहा है। यहां इलाज के लिए दूसरे राज्य के लोग भी आते थे। 25 फरवरी, 1925 को पीएमसीएच की स्थापना की गई थी। देश में उस समय बहुत कम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल थे। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि हम इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ते थे, तब उस समय पीएमसीएच के छात्रों से जो हमारे मित्र हुआ करते थे, उनसे मुलाकात होती थी। वह मंगलवार को पीएमसीएच के बाबू सभागार में आयोजित शताब्दी समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएमसीएच के प्रति हमारा विशेष लगाव है। जब सरकार में नवंबर, 2005 से यहां काम करने का मौका मिला तो हम लोगों ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई काम किया। यहां छह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल थे। अब 12 मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हो गए हैं, जबकि 14 का निर्माण किया जा रहा है। आठ जगहों पर केन्द्र सरकार निर्माण करा रही है। हम लोगों ने सोच लिया है कि हर जिले में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बनाएंगे। पीएमसीएच को 5,400 बेड का विश्वस्तरीय अस्पताल बनाया जा रहा है। इसके पहले फेज का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। दूसरे और तीसरे फेज का निर्माण चल रहा है।

करने चाहिए। इससे न केवल बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा मिलेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएमसीएच और इसके पूर्व छात्र अपने अनुभव से इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह तकनीक का युग है। चिकित्सा क्षेत्र में भी तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकें चिकित्सा प्रक्रिया को सरल और सटीक बना रही हैं। उन्होंने पीएमसीएच के सभी हितधारकों से नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहने का आग्रह किया। कहा कि इससे न केवल इलाज आसान होगा, बल्कि डॉक्टरों का ज्ञान और दक्षता भी बढ़ेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे डाक्ट शोधकर्ता, चिकित्सक, शिक्षक और परामर्शदाता भी हैं। इन सभी भूमिकाओं में वे लोगों और समाज की सेवा करते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने उनसे लोगों को रक्त और अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करने का आग्रह किया।

डीआरडीओ में फर्जी भर्ती रैकेट, सीबीआई ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने फर्जी भर्ती रैकेट चलाने वाले



अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि वे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में नौकरी का झूठा वादा करके बेरोजगारों को धोखा दे रहे थे। सीबीआई के बयान के अनुसार मामले में जांच जारी है और एजेंसी ने इस संबंध में जयपुर में 02 स्थानों और नई दिल्ली में एक स्थान पर तलाशी ली है। धोखेबाज भर्तीकर्ता चपरसी, सफाईकर्मी, मल्टी-टारकिंग स्टाफ और लोअर डिवीजन क्लर्क सहित विभिन्न पदों के लिए बेईमानी से नौकरी की पेशकश कर रहे थे और उम्मीदवारों से 10 से 25 लाख रुपये तक की रकम वसूल रहे थे। भुगतान किए जाने के बाद उम्मीदवारों को ईमेल के माध्यम से नई दिल्ली स्थित एक फर्जी तथाकथित डीआरडीओ-संबद्ध सुविधा में चिकित्सा जांच से गुजरने का निर्देश दिया जाता था। इसके बाद नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए गए और उन्हें जयपुर में एक फर्जी डीआरडीओ कार्यालय में तीन महीने के प्रशिक्षण सत्र के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया।



महाशिवरात्रि पर श्री सोमनाथ का प्रसाद स्पीड पोस्ट से प्राप्त करें

राजकोट/अहमदाबाद। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। हर भक्त भगवान शिव के



ज्योतिर्लिंग रूप के दर्शन करने और आशीर्वाद के रूप में प्रसाद प्राप्त करने की इच्छा रखता है। इस इच्छा को पूरा करने के लिए डाक विभाग की पहल के तहत स्पीड पोस्ट के माध्यम से लोग देश के किसी भी कोने में घर बैठे गुजरात के श्री सोमनाथ मंदिर, वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर का प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं। डाक विभाग के उत्तर गुजरात तथा सौराष्ट्र एवं कच्छ क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा है कि श्री सोमनाथ ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को उनके घरों तक प्रसाद पहुंचाने के लिए भारतीय डाक विभाग के साथ सहयोग किया है।

सोमनाथ मंदिर को मिला ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप का प्रमाणपत्र

गांधीनगर/अहमदाबाद। सोमनाथ मंदिर को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता अपनाने के लिए ईट राइट प्लेस ऑफ वर्शिप प्रमाणपत्र दिया गया।



वर्तमान में गुजरात में कुल 47 मंदिरों को यह प्रमाणपत्र मिला है। राज्य के खाद्य आयुक्त डॉ. एचजी कोशिया ने मंगलवार को बताया कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को उनके जीवन के लिए आवश्यक शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। गुजरात के सोमनाथ में स्थित ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर देश के 12 महत्वपूर्ण ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को स्वच्छ और सुरक्षित प्रसाद मिले।

युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण में यथासंभव सहयोग करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका और यूक्रेन समझौते पर सहमत, जेलेंस्की खनिज भंडार सौंपने को तैयार

कीव। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन एक बड़े समझौते पर सहमत हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की अमेरिका को देश का खनिज भंडार सौंपने को तैयार हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बदले युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण में यथासंभव सहयोग करेंगे। सीएनएन ने सूत्र के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। इसमें कहा गया है कि समझौते के मसौदे से वह हर चीज हटा दी गई, जिस पर दोनों पक्षों में से किसी एक को भी आपत्ति हो सकती थी। हालांकि अभी तक अमेरिकी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की आने वाले दिनों में वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। ऐसे संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को खुद दिए। उन्होंने ओवल



ऑफिस से कहा कि सुना है वह शुक्रवार को आ रहे हैं।

जेलेंस्की का आना अच्छा रहेगा। हम दोनों मिलकर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहेंगे। वाकई अमेरिका के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले सोमवार को भी कहा गया था कि यूक्रेन एक ऐसे समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार है जो पुनर्निर्माण निधि में अमेरिका की भागीदारी चाहता है। वह इसके बदले संयुक्त राज्य अमेरिका को

अपने दुर्लभ खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा सौंप सकता है। सूत्र ने कहा था कि अमेरिकी अधिकारियों ने समझौते के मसौदे में शामिल सुरक्षा गारंटी का विरोध किया था। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन से पहले की सहायता के बदले उसके खनिजों में 500 बिलियन डॉलर की हिस्सेदारी मांगी थी। जेलेंस्की ने इसे अस्वीकार कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के पास दुनिया के लगभग पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण खनिज हैं। इनमें 19 मिलियन टन से भी अधिक ग्रेफाइट के भंडार हैं। यूक्रेन ग्रेफाइट का उत्पादन करने वाले शीर्ष पांच देशों में है। ग्रेफाइट का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में किया जाता है। इसके अलावा यूरोप के सभी लिथियम भंडारों का एक तिहाई हिस्सा भी यूक्रेन में

है। यह भी बैटरी में इस्तेमाल होता है। रूस के आक्रमण से पहले यूक्रेन वैश्विक स्तर पर 7 फीसद टाइटेनियम का उत्पादन करता था। यह हवाई जहाजों से लेकर बिजली संयंत्रों तक, विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण में उपयोग की जाने वाली एक हल्की धातु है। यूक्रेन में दुर्लभ धातुओं के भी महत्वपूर्ण भंडार हैं। यह 17 तत्वों का एक समूह है।